नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक १५० वि.सं. २०८२ पुस ०८ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 23 December 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

'कक्षा १ से ३ समके सिकाइ उप्पर तहके फाउण्डेसन'

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ७ पुस । शिक्षाके गुणस्तरमे सुधार ल्यन्ना कक्षा १ से ३ समके सिकाइ मजा हुई पर्ना एक कार्यक्रमके सहभागी बटैले बटै ।

धनगढीमे सोम्मार आयोजना हुइल आधारभूत सिकाइ सम्बन्धमे नीति सम्वाद कार्यक्रमके सहभागी यैसिन बटाइल हुइट । युनिसेफ ओ ब्रिटिस काउन्सिलके सहकार्यमे सामाजिक विकास मन्त्रालयसे आयोजना करल कार्यक्रममे विद्यार्थीके समग्र सिकाइ उपलब्धी मजा बनाइक लाग आधारभूत तहमे शिक्षाके गुणस्तर आउर मजा हुई पर्ना जोड डेहल बा । सहभागीसे सक्कु सिकाइके फाउण्डेसन आधारभूत तह रहल औंल्यइलै ।

मन्त्रालयके सचिव डा. हेमराज रेग्मीसे शिक्षाके पहुँचमे समस्या नैरहलेसेफे गुणस्तरमे भारी समस्या रहल बटैलै । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे आधा घण्टामे विद्यालय पुगे सेक्ना विद्यार्थीके संख्या ९८ प्रतिशत रहल उहाँके कहाई बा ।

प्रदेशमे शिक्षकके पुनःदरबन्दी पहिल आवश्यकता रहल रेग्मीके कहाई बा । उहाँ शिक्षाके गुणस्तर वृद्धिके लाग सक्कु जाने सहकार्य कैना आवश्यक रहल औंल्यइलै ।

युनिसेफके धनगढी फिल्ड अफिसर इन्द्र पन्त समाज, संस्कृतिहे सम्बोधन कैना हिसाबसे सिकाइ नीति बनैना जरुरी रहल बटैलै । उहाँ फाउण्डेशनमे सिकाइमे सहयोग कैना आवश्यक रहल औंल्यइटी कहलै, "सुदूरपश्चिम, कर्णाली, लुम्बिनी ओ मधेश प्रदेशमे यैसिन सम्वाद करके सक्कु ठाउँसे आइल निष्कर्षसे नीति निर्माणमे सहयोग पुगाई ।"

सामाजिक विकास मन्त्रालयके शिक्षा शाखा प्रमुख लोकेन्द्रप्रसाद भट्ट लिखाइ, पढाई ओ गणित सम्बन्धी ज्ञान आधारभूत तहमे डेहे नैसेक्लेसे शिक्षाके गुणस्तर मजा हुई नैसेक्ना बटैलै । "फाउण्डेसन मजा हुइ नैसेक्लेसे भर उच्च तहमे मजा नैहुई", उहाँ कहलै ।

आधारभूत तहहे मजा बनाइक लाग प्रदेश ओ स्थानीय सरकारफे लागल शिक्षा विकास समन्वय इकाई कैलालीके शाखा अधिकृत जयराज पन्त बटैलै । उहाँ आधारभूत तहहे प्रभावकारी बनैना आवश्यक रहल औंल्यइलै । ओस्टे, भजनी नगरपालिकाके प्रमुख केवल चौधरी शिक्षाके स्तर ओ गुणस्तर बहुट कमजोर रहल कहटी शिक्षक दरबन्दी कैना ओ प्रधानाध्यापक परिवर्तन कैना आवश्यक रहल औंल्यइलै । कार्यक्रममे प्रदेश सरकार, स्थानीय सरकारके शिक्षासंग सम्बन्धित व्यक्तित्व, शिक्षक, सहयोगी सामाजिक संघ संस्थाके प्रतिनिधिके सहभागिता रहल रहे ।

युनिसेफके अनुसार रुरु१ प्रतिशत विद्यार्थी केल्ह कक्षा-३ के लाग तोकल पढाई सम्बन्धी मापदण्ड पूरा कैना करल बटै । ओस्टेक करके, १६.२ प्रतिशत विद्यार्थीसे केल्ह एक मिनेटमे ४५ ठो शब्द शुद्धसंग पह्रना करल बटै । यिहीहे सुधार करेपर्ना औंल्याइ बा ।

कार्यव्यवस्था समितिके बैठक बोलागिल

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ७ पुस । गैल भदौ २३ ओ २४ गते हुइल जेनजी समूहके आन्दोलनपाछे स्थगित रहल सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रदेश सभा सञ्चालन हुइना डेखल बा ।

प्रदेश सभा सचिवालयसे बैठक सञ्चालनके लाग तयारी सुरु करल हो । प्रदेश सभा सञ्चालनके लाग छलफल करक लाग सभामुख भीमबहादुर भण्डारी कार्यव्यवस्था परामर्श समितिके बैठक बोलाइल बटै ।

सोम्मारके लाग बोलाइल समितिके बैठकमे बैठक सञ्चालन विषयके साथे प्रदेश सभामे विचाराधीन रहल विधेयकहे कैसिक आघे बह्रैना विषयमे छलफल हुइना प्रदेश सभा सचिवालयके सचिव देवबहादुर बोगटी बटैलै । सभामुख भण्डारी बजेट अधिवेशन अन्त्य कैके हिउँदे अधिवेशन चलाइक लाग प्रदेश सरकारसमक्ष प्रस्ताव करले बटै ।

यद्यपि उ विषयमे निर्णय नैहुइल हो । भदौ २३ ओ २४ गते जेनजी आन्दोलनके क्रममे प्रदेश सभामे आगजनी ओ तोडफोड करलपाछे अधिवेशन स्थगित हुइल रहे । अधिवेशन अन्त्यके लाग सभाके बैठक नै बैठे पर्ना अनिवार्य नैरहल जनैटी सचिव बोगटी कहलै, "प्रदेश सरकारसे बजेट अधिवेशन अन्त्य कैना निर्णय कैके प्रदेश प्रमुखसमक्ष अधिवेशन अन्त्यके लाग सिफारिस करे सेकी । प्रदेश प्रमुखसे अधिवेशन अन्त्यके पत्र प्रदेश सभा सचिवालयमे पठाइल सूचना टाँस कैके अधिवेशन अन्त्यके जानकारी डेहे सेकी ।"

सभामुखसे बजेट अधिवेशन अन्त्य कैके हिउँदे अधिवेशनमे आघे बह्रे बर मजा हुइना धारणा राखल प्रदेश सभा सचिवालय जानकारी डेले बा । हिउँदे अधिवेशनहे विधेयक पारित कैके ऐन, कानुन निर्माण कैना अधिवेशनके रूपमे लेना करजाइठ् । सचिवालयके अनुसार प्रदेश सभा भवनमे आब प्राविधिक सामग्री जडान ओ कुर्सी रख्ना कार्य बाँकी रहल बा । सक्कु काम हाली सम्पन्न कैके पुस १० गतेसम प्रदेश सभाके बैठक सञ्चालन करे सेकजैना सचिव बोगटी जानकारी डेलै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
सामाजिक विकास मन्त्रालय
व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम केन्द्र, धनगढी, कैलाली

सीप विकास तालिम सञ्चालनको लागि दरखास्त/प्रस्ताव आह्वान सम्बन्धी सूचना

(प्रथम पटक प्रकाशित मिति २०८२।०९।०८)

व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम केन्द्र, धनगढी कैलालीमा आ.व.२०८२/०८३ को दोस्रो सत्रमा निःशुल्क रुपमा संचालन गरिने देहाय अनुसारका आधारभुत सीप मूलक तालिमहरु संचालन गरिने भएकोले तालिम लिन इच्छुक व्यक्तिले तालिम आवेदन फाराम भर्न यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५औं दिनको कार्यालय समय भित्र तोकिएका कागजात सहित आवेदन पेश गर्नहुन यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

१. व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम केन्द्र, धनगढी, कैलालीमा सञ्चालन गरिने निःशुल्क तालिमहरु:

क्र.सं.	तालिमको विषय	तालिम अवधि	न्युनतम शैक्षिक योग्यता	दरखास्त दिने अन्तिम मिति	सम्पर्क मिति	अन्तरवार्ता मिति
१.	कटाई सिलाई	६ महिने (७३० कार्यघण्टा)	८ कक्षा उत्तिण	२०८२।०९।२२	२०८२।०९।२३	अन्तरवार्ता मिति सम्पर्क मितिको दिन तोकिने छ ।
२.	प्लम्बिङ्ग	६ महिने (७३० कार्यघण्टा)	८ कक्षा उत्तिर्ण	२०८२।०९।२२	२०८२।०९।२३	
३.	ब्युटिसियन	६ महिने (७३० कार्यघण्टा)	८ कक्षा उत्तिण	२०८२।०९।२२	२०८२।०९।२४	
४.	मोटरसाईकल मर्मत	६ महिने (७३० कार्यघण्टा)	८ कक्षा उत्तिर्ण	२०८२।०९।२२	२०८२।०९।२४	

माथि उल्लेखित तालिममा भाग लिन चाहने उम्मेदवार प्रशिक्षार्थीहरुले पेश गर्नुपर्ने कागजात तथा पालन गर्नुपर्ने शर्तहरु :-

(क) तालिम लिन इच्छुक उम्मेदवारको उमेर १६ बर्ष पूरा भई ५० बर्ष ननाघेको हुनु पर्नेछ ।
(ख) आवेदकहरुले यस केन्द्रबाट तालिमको आवेदन फाराम लिई सो साथ नेपाली नागरिकताको प्रमाण पत्र सम्वन्धीत तालिमका लागि तोकिएको शैक्षिक योग्यताको प्रमाण पत्रको प्रतिलिपि संलग्न राखि रु.१०।- को टिकट टाँस गरि उल्लेखित अन्तिम म्याद भित्र कार्यालय समयमा ओवदन फाराम बुझाई सक्नु पर्ने छ । यसरी पेश हुन आएका आवेदकहरुको छनौट अन्तर्वाताबाट गरिने छ ।
(ग) आवेदकहरुको आवेदन फाराम पेश गर्ने अन्तिम दिन बिदा पर्न गएमा सो को भोलिपल्ट कार्यालय समय भित्र पेश गरिसक्नु पर्नेछ ।
(घ) दलित, अपाङ्ग, शहिद परिवार, विपन्न, एकल महिला तथा प्रवेशिका परिक्षा अनुत्तिर्णहरुलाई प्राथमिकता दिईनेछ ।

नोटः- अन्तरवार्तामा सरिक हुँदा आफुले आवेदन फाराम साथ पेश गरिएका कागजातहरुको सक्कल प्रति साथ लिएर आउनुहोला ।

२. स्थानीय तहको सहकार्यमा संचालन गरिने तालिम:

सि.नं.	तालिमको बिषय	तालिमको अवधि	न्यूनताम शैक्षिक योग्यता	प्रस्ताव फाराम पाईने स्थान
१.	विद्युत जडान	६ महिने (७३० कार्यघण्टा)	८ कक्षा उत्तिर्ण	व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम केन्द्र, तारानगर, धनगढी, कैलाली

३. तालिम संचालन गर्न ईच्छुक स्थानीय तहले पालना गर्नुपर्ने शर्तहरु:

(क) स्थानिय तहको आधिकारीक पदाधिकारीबाट उल्लेखित म्याद भित्र प्रस्ताव खरिदका लागि लिखित अनुरोध पत्र यस केन्द्रमा पेश हुन आएमा यस केन्द्रबाट प्रस्ताव फाराम उपलव्ध गराउन सकिने छ ।
(ख) तालिम संचालन गर्न छनौट भएका स्थानीय तहले यस तालिम केन्द्रबाट तालिम समापन भएपछि फिर्ता हुने गरी तालिम सामाग्री, तालिम उपकरण र सम्बन्धीत बिषयको प्रशिक्षक प्राप्त गर्ने छन् । तालिम संचालनका लागि थप व्यवस्थापन एवम् तालिम कक्ष लगायतका सुविधा स्थानीय तहहरुले नै निःशुल्क उपलव्ध गराउनु पर्नेछ । प्रशिक्षार्थीहरुबाट कुनै शुल्क लिन पाइने छैन ।
(ग) तालीम सम्वन्धी थप जानकारीका लागि यस कार्यालयको टेलिफोन नं. ०९१-५२११५४ मा सम्पर्क गर्न सकिने छ । साथै यस केन्द्रको वेव साइट https://vsdtckailali.gov.np रहेको छ ।

केन्द्र प्रमुख

वर्षौंसे पालटर घरबारविहीन परिवार

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ७ पुस । चुरे गाउँपालिका-४, बालुवागडा लग्गेक बन्वामे नवलसिंह घर्ती ओ ओहकान परिवार विगत तीन बरससे पालटर बैठल बटै ।

चुरे-४ स्थित मसुरी गाउँके घर्तीके परिवारहे कुछ बरस पहिलेक भीषण पहिरोसे विस्थापित बनाइलपाछे उहाँहुक्रे जग्गा भाडामे लेके घर बनाइल रहिट । मने जग्गाधनी बिचमे जग्गा नैडेना हुइलपाछे उहाँहुक्रे वहाँसे फेन विस्थापित हुइल रहिट । "ओकरपाछे हम्रे चुरे-४ के टाँकगडा बन्वाके बिच्चे बैठे लग्ली", नवलसिंह विगत सम्झटी कहलै, "वहाँ ढेर परिवार रही । वन अतिक्रमण करल कहटी वहाँसे फेन हम्रहीनहे हटाइलपाछे हमार कहाँरो जैना ठाउँ नैरहल । अनि इहे बन्वाके किनारमे ओत लागे अइली ।"

उहे स्थानमे बैठ्टी आइल औरे रतन नाथके पीडा फेन ओस्टहे बा । डडेलधुरा पुख्यौंली घर रहल रतन छोट्टेमे अभिभावक गुमाइलपाछे रोजगारीके लाग भारत ओर गैलै । भारतमे रहल बेला गाउँमे आइल नापी टोलीहे आफन्त रतनके नाउँमे हुइ पर्ना जग्गा अपने नाउँमे नापे लगाइल बटैलै । "डाइबाबा छोट्मे बिटल रहिट, मै परदेशमे रहुँ", उहाँ कहलै, "आफन्त हमार सक्कु जमिन आपन नाउँमे नापी करा लेलै । मै आइबर मोर टेक्ना जमिनसम नैरहे ।" विसं २०६० मे डडेलधुरा छोरके चुरे गाउँपालिका-४ स्थित गुठीके जमिनमे बसोबास करलेसे फेन वहाँसे उठाइलपाछे अब्बे यहाँ आके बसोबास करटी रहल उहाँ बटैलै ।

रतनके परिवार स्थानीय सूर्यमुखी आधारभूत विद्यालयके बन्वा किनारके खेलमैदानमे पालटर बैठ्टी आइल बा । रतन कहलै, "यी हमार इच्छा नैहो, बाध्यता हो । यहाँसे स्कुलसे खेलकुद मैदान खाली करडेहे परल कहटी बा, आब कहोर जैना हो पटा नैहो ।"

त्रिपालटरके जोखिमपूर्ण जीवन

हाल बालुवागडा क्षेत्रमे १५ से ढेर परिवार अस्थायी टहरामे बैठल बटै । उ मध्ये कुछ परिवारके अभिभावक रोजगारीके खोजीमे भारत गैल ओरसे घरमे बालबालिका किल बटै । घरबार गुमाके बन्वामे बसोबास करटी रहल उहाँहुक्रनके जीवन कष्टकर बा । पालमे बालबालिकाहे जुरार कटैना कठिन बा ।

स्थानीय कलि नाथके अनुसार वर्षायाममे पानी चुहके रासन, लत्ताकपडा सक्कु भिजठ् । "पानी परेबर टहराटर भेल पैंठट्", उहाँ कहलै, "रातभर बिच्छी ओ कीरा-काटीके डर रहठ् । कैचो टे बिच्छी काटलपाछे उपचारके लाग जाइ परल बा ।" *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित (९८४८४९४५१८)**
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ शिवनगर टोल स्थित कित्ता नं. ५१४ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मिनादेवी बिष्टले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: कुलो नेपाल सरकार | पश्चिम: महेशराज जोशी
उत्तर: सडक | दक्षिण: कलकबहादुर धामी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ तारानगर स्थित कित्ता नं. ११३० क्षेत्रफल ४०३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री भागी डंगौरा थारुले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: आकाश चौधरी | पश्चिम: सडक
उत्तर: मोतीराम चौधरी | दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ स्थित कित्ता नं. २७० क्षेत्रफल ३१०.०० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री दिपकला खातीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: दिलबहादुर खाती | पश्चिम: प्रेमबहादुर बोहरा
उत्तर: सडक | दक्षिण: महेश गिरी, दिपेन्द्र जोशी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि्ठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

सञ्चार मन्त्रीहे खुल्ला पत्र

राज्यके बेवास्तासे धराशायी बन्टी पत्रकारिता

विचार
रमेश कुमार बोहोरा

माननीय सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रीज्यू यी खुला पत्र कौनो संगठनके औपचारिक ज्ञापन पत्र नैहो । यी देशभरके हजारौँ श्रमजीवी पत्रकार, छोट लगानीमे सञ्चालित सञ्चारमाध्यम ओ स्वरोजगारमुखी मिडियाके दैनिकीसँग गाँसल पीडा, संघर्ष ओ राज्यसे करल दीर्घकालीन बेवास्ताके लिखित साक्ष्य हो । यी भावनासे नैहो, तथ्यसे बोल्न दस्तावेज हो । आग्रहमे नाही, अधिकारके आधारमे प्रश्न उठैना पत्र हो । ओ यी चेतावनी फे हो । यदि समयमे सम्बोधन नैहुइ कलेसे नेपाली सञ्चार क्षेत्रके आधारस्तम्भ क्रमशः कमजोर हुइटी अन्ततः धराशायी हुइना निश्चित बा ।

नेपाल पत्रकार महासंघ काठमाडौं शाखाके सचिवके ओरसे यैसिन खुला पत्र सार्वजनिक कैना बाध्य हुइना स्वयंमे राज्य संयन्त्रप्रतिके गहिर निराशाके प्रमाण हो । विगतमे मन्त्रालय, विभाग ओ सम्बन्धित निकायसमक्ष बार बार ज्ञापनपत्र बुझागिल । छलफल हुइलेसे, प्रतिबद्धता सुनगिल । मने उ प्रतिबद्धता कागजमे सीमित रहल । यिहे कार्यान्वयनहीनता ओ निरन्तर उपेक्षासे आज सञ्चार क्षेत्रहे सार्वजनिक रूपमे प्रश्न कैना बाध्य बनाइल बा ।

नेपालके राजनीतिक इतिहासमे सञ्चारमाध्यम केवल सूचना प्रवाह कैना माध्यम केल्ह नैरहल । २०४६ सालके जनआन्दोलनसे राजतन्त्रके अन्त्य, गणतन्त्र स्थापना, संविधान निर्माण, मधेस आन्दोलन, टमान चरणके जनआन्दोलन हुइटी पछिल्का जेनजी आन्दोलनसम आपुगके हरेक परिवर्तनके केन्द्रमे पत्रकारिता ठरहयाइल बा । सडकमे उठल आवाज देशव्यापी बहसमे रूपान्तरण कैना, सामाजिक सञ्जालके प्रश्नहे राष्ट्रिय एजेन्डा बनैना ओ सत्ता संयन्त्रके निगरानी कैना काम पत्रकारितासे करल । यिहे आन्दोलनके जगमे बनल सरकार आज सञ्चार क्षेत्रके आधारभूत मागप्रति मौन रना गम्भीर विडम्बना केल्ह नाही ऐतिहासिक आत्मविरोध हो ।

कोभिड–१९ महामारीसे विश्व अर्थतन्त्रहे तहसनहस बनाईबेर नेपालफे अछुतो नैरहल । मने यकर सबसे भारी दीर्घकालीन मार छोट लगानीमे सञ्चालित सञ्चारमाध्यम ओ ओम्ने आश्रित श्रमजीवी पत्रकारसे व्यहरलै । विज्ञापन बन्द हुइल, तलब अनियमित बनल, सञ्चार सामग्री महँगा हुइल ओ श्रम ऐन कार्यान्वयन कागजमे सीमित रहल । यी समस्या महामारीसंगे जन्मल नैहो । राज्यके दीर्घकालीन उदासीनता महामारीके बेला विस्फोट हुइल यथार्थ हो ।

विडम्बना का हो कलेसे महामारीमे उच्च जोखिममे रहिके सूचना संकलन कैना जिम्मेवारी पत्रकारसे वहन करलै । संक्रमितके संख्या, अस्पतालके अवस्था, अक्सिजनके अभाव, सरकारी निर्णयके निगरानी यी सक्कु काम सञ्चारकर्मी निरन्तर करलै । यिहे पेशागत जिम्मेवारी निर्वाह कैना क्रममे सयौँ पत्रकार संक्रमित हुइलै, दर्जनौ ज्यान गुमैलै । मने ओइनके योगदान राज्यसे राहत, सुरक्षा नीति वा विशेष कार्यक्रममार्फत नाही, मौनतामार्फत मूल्याङ्कन करल । यी मौनता साधारण उपेक्षा नैहो संस्थागत अन्याय हो ।

आज छोट लगानीके पत्रपत्रिका, एफएम, अनलाइन ओ स्थानीय सञ्चारमाध्यम अस्तित्वके लडाइँ लरटी रहल बटै । भारी कर्पोरेट सञ्चारगृह राज्य संयन्त्रके सहज पहुँचमे बटै । मने दबाबमे रख्न दफा तत्काल खारेज हुई परल । स्वतन्त्र प्रेसउप्पर नियन्त्रण नाही, संरक्षण राज्यके संवैधानिक दायित्व हो । यिहे स्वतन्त्र प्रेससे देशके भारी परिवर्तन सम्भव बनाइल इतिहास राज्यसे बिस्राई नैमिल । पत्रकारहे निःशुल्क उपचार कैना सरकारके घोषणा आजफे कागजमे सीमित बा । स्पष्ट कार्यविधि नैहुके अधिकांश पत्रकार उ सुविधासे वञ्चित बटै । पत्रकारके स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित नैकरके जिम्मेवार पत्रकारिताके अपेक्षा कैना स्वयंमे अन्याय हो ।

> **स्थानीय ओ प्रदेश तहसे वितरण हुइना विज्ञापन अभिनफे पहुँच, सिफारिस ओ राजनीतिक नजिकताके आधारमे बाटजैटी आइल यथार्थ लुकाई नैमिली । समानुपातिक ओ पारदर्शी वितरणके लाग कडा नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक बा । लोककल्याणकारी विज्ञापनके रकम कम्तीमे ५० प्रतिशत नैबढाके सञ्चार क्षेत्रके आर्थिक श्वासप्रश्वास सहज नैहुई । श्रमजीवी पत्रकार ऐन भारी सञ्चारगृहमे अभिन कागजमे सीमित बा । बैंकिङ पेरोल ओ कर चुक्ता प्रमाणपत्र नैबुझाइल कारण सयौँ पत्रकार सूचना विभागके परिचयपत्रसे वञ्चित बटै । यी प्रशासनिक कमजोरी केल्ह नाही, प्रत्यक्ष अधिकार हनन हो । मन्त्रालय, सूचना विभाग ओ नेपाल पत्रकार महासंघ सम्मिलित उच्चस्तरीय संयन्त्र गठन करके प्रभावकारी अनुगमन नैकरके यी समस्या समाधान हुई नैसेकी ।**

स्वरोजगारमुखी मिडिया राज्यके लाग अभिन अदृश्य जस्टे बटै । यिहे असन्तुलनसे सञ्चार क्षेत्रभिटर गहिर विभाजन सिर्जना करल बा । जेकर प्रत्यक्ष असर प्रेस स्वतन्त्रता ओ सूचनाके बहुलताउप्पर परल बा ।

माननीय मन्त्रीज्यू पछिल्का समय गठन करल विज्ञापन बोर्डप्रति सञ्चार क्षेत्रके अपेक्षा भारी रहे । सरकारी विज्ञापन पारदर्शी रूपमे वितरण हुई ओ छोट तथा स्वरोजगारमुखी मिडियासे बँच्न आधार पैही कना विश्वास रहे । मने व्यवहारमे बोर्ड संरक्षकसे ढेर कमिसन एजेन्टजस्टे डेखल बा । लोककल्याणकारी विज्ञापनके नाममे ३ प्रतिशत कट्टा, समयमे भुक्तानी नैहुइना ओ सरोकारवालाके सुझावहे निरन्तर बेवास्ता कैना प्रवृत्तिसे बोर्डके औचित्यउप्पर गम्भीर प्रश्न उठाइल बा । यिहे कार्यशैली निरन्तर रहटी रना हो कलेसे विज्ञापन बोर्ड सुधार नाही, खारेजीके विषय बनी । यी भावनात्मक निष्कर्ष नैहो व्यवहारसे प्रमाणित तथ्य हो ।

ओस्टेक करके मिडिया काउन्सिल विधेयकमे समेटल प्रेस स्वतन्त्रताविरोधी प्रावधान लोकतान्त्रिक मूल्य मान्यतासँग मेल नैखाई । प्रेसहे नियमनके नाममे

छोट लगानीमे सञ्चालित सञ्चारमाध्यमहे जोगैना कौनो ठोस कार्ययोजना अभिनसम डेखल नैहो । कागज, क्यामेरा, ल्यापटप, विद्युतीय उपकरणजैसिन आधारभूत सामग्रीमे सहुलियत वा अनुदानके व्यवस्था नैकरके सञ्चार क्षेत्र दीगो हुई नैसेकी । राज्यसे अन्य उद्योगहे राहत डेहे सेकी कलेसे सञ्चारमाध्यम काहे उपेक्षित रहेपर्ना ? सूचनाफे उत्पादन हो, पत्रकारफे श्रमिक हो, यी स्वीकारोक्ति नीतिमे स्पष्ट डेखाई परल ।

स्थानीय ओ प्रदेश तहसे वितरण हुइना विज्ञापन अभिनफे पहुँच, सिफारिस ओ राजनीतिक नजिकताके आधारमे बाटजैटी आइल यथार्थ लुकाई नैमिली । समानुपातिक ओ पारदर्शी वितरणके लाग कडा नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक बा । लोककल्याणकारी विज्ञापनके रकम कम्तीमे ५० प्रतिशत नैबढाके सञ्चार क्षेत्रके आर्थिक श्वासप्रश्वास सहज नैहुई ।

श्रमजीवी पत्रकार ऐन भारी सञ्चारगृहमे अभिन कागजमे सीमित बा । बैंकिङ पेरोल ओ कर चुक्ता प्रमाणपत्र नैबुझाइल कारण सयौँ पत्रकार सूचना विभागके परिचयपत्रसे वञ्चित बटै । यी प्रशासनिक कमजोरी केल्ह नाही, प्रत्यक्ष अधिकार हनन हो । मन्त्रालय, सूचना विभाग ओ नेपाल पत्रकार महासंघ सम्मिलित उच्चस्तरीय संयन्त्र गठन करके प्रभावकारी अनुगमन नैकरके यी समस्या समाधान हुई नैसेकी ।

ओस्टेक करके श्रमजीवी पत्रकारके समस्या समाधान नैकैना सञ्चारगृहहे डेहल सˆट लोन दुरुपयोग हुइल आशंका गम्भीर बा । यकर निष्पक्ष छानबिन आवश्यक बा । सार्वजनिक स्रोतके दुरुपयोगउप्पर प्रश्न उठैना पत्रकारिताके धर्म हो ओ ओकर जवाफ डेना राज्यके दायित्व ।

जेष्ठ पत्रकारके लाग सुरु करल जीवनवृत्ति भत्ता सकारात्मक कदम हो । मने ५० वर्ष उमेर पुगल वा ३० वर्षसे ढेर समय पत्रकारिता करल अग्रज सञ्चारकर्मीके लाग मासिक जीवन निर्वाह भत्ताके व्यवस्था कैना सामाजिक न्यायके विषय हो । ओइने जीवनभर समाजहे सूचना डेलै । आब राज्यसे ओइनके जीवन सुरक्षित करेपरठ ।

प्रेस काउन्सिलके वर्गीकरण प्रक्रियाफे पुनरावलोकन आवश्यक बा । एक चो वर्गीकरणमे परलपाछे कम्तीमे १० वर्षसम पुनः वर्गीकरणमे नैपरेपर्ना व्यवस्था ओ नयाँ प्रकाशनहे पहिल वर्षमे वर्गीकरणमे समेट्न नीति अवलम्बन नैकरके छोट ओ नयाँ मिडियासे बँच्न अवसर नैपैही ।

निःशुल्क इन्टरनेट, एक सञ्चारगृह एक सवारी साधन, भन्सार छुट, दुर्घटना बीमाहे जीवन बीमामे रूपान्तरण, समावेशी सञ्चार नीति, नेपाल पत्रकार महासंघके परिचयपत्रहे सरकारी मान्यता यी माग विलासिता नैहो । यी पत्रकारिताके न्यूनतम आधार हुइट ।

माननीय मन्त्रीज्यू यी खुला पत्र सत्ता विरोध नैहो । यी उत्तरदायित्वके स्मरण हो । जेनजी आन्दोलनसे आजसम हुइल परिवर्तनमे पत्रकारितासे खेलल भूमिका इतिहाससे प्रमाणित करसेकल बा । यिहे आन्दोलनके डगरसे बनल सरकारसे आज पत्रकारके जायज मागप्रति उदासीन रना गम्भीर आत्मविरोध हो ।

यदि आज छोट लगानीके मिडिया ढलल कलेसे काल्ह लोकतन्त्र कमजोर हुई । प्रेस स्वतन्त्रता भाषणमे नाही नीतिमे डेखाई परठ । आश्वासन नाही, कार्यान्वयन चाहल बा । अबफे ढिलाइ हुइल कलेसे इतिहाससे प्रश्न करी राज्य मौन रहेबेर पत्रकारिता काहे कमजोर बनागिल ?

टबमारे हम्रे आशा केल्ह नाही, उत्तरदायित्वसहितके ठोस ओ तत्काल पहलके अपेक्षा करटी ।

(लेखक : बोहोरा नेपाल पत्रकार महासंघ काठमाडौं शाखाके सचिव हुइट)

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७११०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

वन्यजन्तुमार्फत विस्तार नेपाली सद्भाव

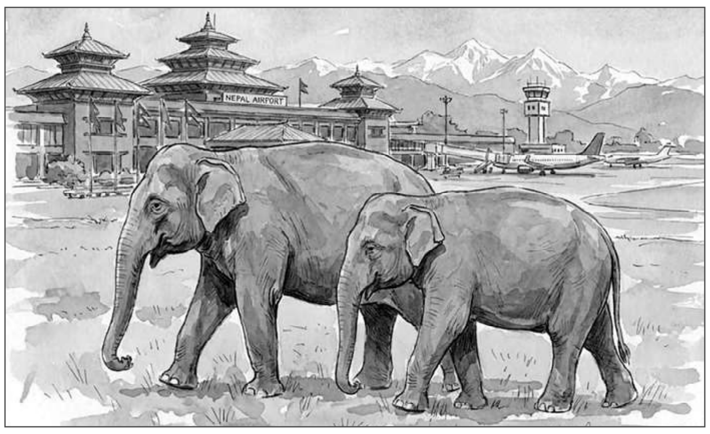

काठमाडौँ, ७ पुस । नेपालसे रुद्रकली ओ खगेन्द्रप्रसादसहितके जोडी हात्ती कतार सरकारहे उपहार भर्खर पठागिल । यी जोडी हात्ती ओस्टे कतार पुगल भर नैहो । सन् २०१८ ओर तत्कालीन राष्ट्रपति विद्यादेवी भण्डारीसे कतार भ्रमण करबेर कतार सरकारसे नेपालसँग एक जोडी हात्ती उपहार अपेक्षा करल । नेपाल सरकारसे उपहार डेना फेन करल मने वन्यजन्तु ओसारपसारसम्बन्धी कानुनी झमेलाके कारण उ प्रक्रियामे विलम्ब हुइल ओ अन्योल फेन ।

गैल वर्ष नेपाल भ्रमणमे अइना कतारके अमिर सेख तमिम बिन हमाद अल थानीसे हात्ती उपहारके सन्दर्भ राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलसँगके द्विपक्षीय भेटमे स्मरण करैलैं । ओकरपाछे राष्ट्रपति पौडेलके पहलमे जोडी हात्तीहे तयार करना चितवके सौराहास्थित हात्ती प्रजनन केन्द्रहे कहिगिल । यीबिचमे अलमलल कानुनी तारतम्य मिललपाछे चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जके निर्णयमे गैल सोम्मार खोरसोरसे रुद्रकली ओ खगेन्द्रप्रसाद कतार गैलमे बिदा हुइल । बुधके दुनु हात्ती कतारओर उरल राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागके महानिर्देशक बुद्धिसागर पौडेल बटैलैं ।

कतार पुगललगत्ते रुद्रकली ओ खगेन्द्रप्रसादके भव्य स्वागत करल बा । रुद्रकली सात वर्ष पुगल कलेसे सन् २०१९ मे जन्मल खगेन्द्रप्रसाद उहाँसे एक वर्ष छोट छ वर्ष पुगल । जोडी हात्ती वहाँ प्रजनन कैके सन्तान बढोत्तरी ओ हेरनाहे रमाइलो करना किल नैहो । पौडेल कलैं, "कतारमे उहाँ नेपाल ओ कतारबिचके द्विपक्षीय सम्बन्धहे और सुमधुर बनैना माया ओ सद्भावके मियोके भूमिका खेलि ।"

कतार नेपालके महत्वपूर्ण श्रम गन्तव्य हो । वहाँ चार लाख ढेरके संख्यामे नेपाली श्रमिक काम करे पुल बा । विदेशसे नेपाल आइल पाहुना किल नैहोके, सरकारके नेतृत्व फेन यहाँके प्रकृति ओ वन्यजन्तु देखके लोभाइठ । ओइनहे अपन देशमे देखे चाहल साथ वन्यजन्तु कूटनीतिमार्फत पहल करठ ओ नेपालसे उपहार पाइठ । उहाँके अनुसार अइसिके बाह्य मुलुकहे डेना उपहाररूपी वन्यजन्तुसे नेपालके अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध विस्तारसँगे आपसी सौहार्दता कायम ढैके वन्यजन्तु कूटनीतिहे बढावा डेहल बा ।

प्राकृतिक तथा जैविक विविधतासे भरिपूर्ण नेपालके ऐतिहासिक कालखण्डसे दुर्लभ वन्यजन्तु डेना परम्परा बा । सन् २०१८ मे छिमेकी चीनहे मित्रताके चिनोस्वरूप दुई जोडी भालेपोथी एक सिंगे गैँडा नेपाल सरकार उपहार पठैले रहे । उमध्ये एक भाले गैँडा बिरामी होके मरल रहे । बिजोडी बनल पोथीहे औरे भाले गैँडा साथी पठैना तयारी फेन सरकारके ओरसे विभाग करटिरहल महानिर्देशक पौडेल जानकारी डेलैं । पत्राचार ओ अन्य कागजी प्रक्रियाके क्रममे रहल ओरसे हलि पठैना विभाग जनैले बा ।

देश–देश ओ सरकार–सरकारबिच किल नैहोके, वन्यजन्तु उपहार डेना चलनसे दुई देशबिचके जनसम्बन्ध थप प्रगाढ बनैना विश्वास पौडेलके बा । पौडेल थप्लैं, "अइसिन प्रचलनसे कारणवश कौनो देशमे कौनो प्रजातिके वन्यजन्तु लोप हुइल वा हुइना अवस्थामे पुगल कलेसे ओइसिके उपहार डेहल स्थानसे बिउके रूपमे फेन उ वन्यजन्तुके जनसंख्या विस्तारमे सघाउ पुगल बा ।" विदेशसे भर नगन्य रूपमे नेपालमे दुर्लभ रहल वन्यजन्तु किल उपहार बनके नेपालमे अइना करल विभाग जनैले बा ।

विगतमे कहाँ कत्रा उपहार

इतिहास हेरना हो कलेसे सन् १९८५ मे पहिलचो छिमेकी मुलुक भारतके दुधवा राष्ट्रिय निकुञ्जके लाग नेपाल सरकार दुई जोडी (चार ठो) गैँडा उपहार डेहल रहे । ओकरपाछे किल तेसर मुलुकमे वन्यजन्तु उपहार डेना चलन बैठल हो । हालसम ओइसिके उपहार डेहल वन्यजन्तुके यकिन संख्या भर अन्योलमे बा । सरकारी तथ्यांक अनुसार हालसम २६ ठो एकसिङे गैँडा मित्रराष्ट्रहे उपहार डहेल बा ।

उ अनुसार सन् १९८७ मे तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रेगनहे नेपालके ओरसे दुई गैँडा उपहार डेहल रहे । ओहे दिन अमेरिकाके नेसनल जुओलोजिकल पार्कके लाग थप दुई ठो गैँडा उपहार डेहल रहे । सन् १९९० मे अमेरिकाके फोर्टवर्ज जुओलोजिकल एसोसिएसनहे फेन भाले ओ पोथी दुई बच्चा गैँडा थप डेहल रहे । अइसिके नेपालसे सबसे ढेर छ ठो एकसिङे गैँडा लैजुइया देश अमेरिका हो ।

सन् १९९० जनवरी १७ मे म्युनिख जु जर्मनीके लाग संरक्षण शिक्षाके लाग कहल एक गैँडा उपहार डेहल रहे । ओहे साल सिंगापुरहे फेन एक जोडी गैँडा उपहार पठाइल रहे । ओकरपाछे सन् १९९३ मे विलहेल्मा जु जर्मनीके लाग थप एक पोथी गैँडा उपहार डेहल रहे । ओहे वर्ष मिरपुर नेसनल जु ढाका बंगलादेशहे दुई गैँडा उपहार डेहल रहे ।

नेपाल सरकारके ओरसे सन् १९९८ मे जुओलोजिकल सोसाइटी अफ लन्डनके लाग दुई ठो पोथी गैँडा उपहार डेहल रहे । सन् २००२ मे तामा जुओलोजिकल पार्क जापानहे एक जोडी गैँडा उपहार डेहल रहे । सन् २००६ फेब्रुअरीमे अस्ट्रियाके 'भियना जु' के लाग दुई गैँडा उपहार पठाइल रहे ।

यीबाहेक सन् १९९२ मे जापानहे एक हिमाली ब्वाँसो उपहार डेहल रहे । जर्मनीहे सन् १९९० मे दुईठो घडियाल गोही, सन् १९९४ ओ ९५ मे कैके जापानहे ६० घडियाल ओ ६० मगर गोहीके अन्डा ओ १९८७ मे एक घडियाल गोही उपहार पठाइल रहे । ओस्टेक सन् २००० मे फ्रान्सहे छ ठो घडियाल गोही ओ भारतहे चितुवा उपहार डेहल रहे ।

सन् २००४ मे भुटानहे दुई ठो घडियाल गोही उपहार डेहल रहे । सन् १९९८ मे साउदी अरेबियाहे एक पाटेबाघ, एक चितुवा, गौरी गाई एक जरायो, एक काठेभालु ओ एक खरमजुर नेपालसे उपहार डेहल रहे । ओस्टेक पठाइल वन्यजन्तुके अभिलेखीकरण करना थप खोजी हुइल विभाग जनैले बा ।

वर्षौँसे पालटर...

मने जैना ठाउँ कहाँरो नैहुइलपाछे यहैँ मृत्युसँग जुढके बैठे पर्ना अवस्था बा ।"

गिट्टी कुटके जीविका

यहाँके महिलाहुक्रनके दिनचर्या बालुवा खोलुवामे बिटठ् । खोलुवामे संकलन करल गिट्टी नै उहाँहुक्रनके आम्दानीके स्रोत हो । "अब्बे छावाछाइक परीक्षा अइटी रहल बा", स्थानीय बुदीसरा सिंजाली कहली, "गिट्टी बेचके आइल पैसासे परीक्षा शुल्क टिर्ना योजना बा ।" बुदीसरा जस्टे अन्य महिलाके फेन मुख्य आम्दानीके स्रोत गिट्टी नै हो ।

प्रति घनमिटर एक हजार पाँच सय रुपैयाँमे बिक्री हुइना गिट्टीसे अइना पैसासे ओइनके घरके नोन–तेल चलठ् । उ क्षेत्रमे किल नैहोके चुरेके टमान स्थानमे बसोबास करटी रहल घरबार विहीन परिवारके अवस्था समान बा । वैकल्पिक बसोबासके व्यवस्था नैहोके पीडित हाल बैठल स्थानमे बैठे पर्ना बाध्यता रहल चुरे गाउँपालिका–४ के वडाध्यक्ष चन्द्रबहादुर लामिछाने मगर बटैलै । ओहकान अनुसार २०७७ सालमे आइल बारह्लगायत अन्य कारणासे विस्थापित ११६ परिवार चुरे–४ के पनेरुगडा, टाँकगडा, बालुवागडा ओ चुरे–१ को खामाहाले, खानीडाँडालगायतके क्षेत्रमे अस्थायी रूपमे बसोबास कैटी आइल बटै ।

सुरुमे घरबार विहीन कहटी वन क्षेत्रमे करिब सात सय परिवार बैठल रहिट । गाउँपालिकासे छानबिन करेबर ११६ परिवार किल पूर्ण रूपमे घरबारविहीन पाइल । उहाँहुक्रनहे वन क्षेत्र अतिक्रमण करल कहिके विसं २०७९ मे वन कार्यालयसे हटाइल रहे । गाउँपालिकासे करल छानबिनअनुसार हाल वास्तविक पीडित नै जंगल क्षेत्रमे बसोबास करटी रहल बटै । "विस्थापितहुक्रनके समस्या वास्तवमे गम्भीर बा", वडाध्यक्ष मगर कहलै, "मने स्थानीय तहसँग ओइनहे तत्काल व्यवस्थापन कैना अपने जमिन नैहो । वन क्षेत्रसे वन कार्यालयसे हटाइ खोजठ्, यहोर ओइनके जैना ठाउँ नैहो । इहे कारणसे उहाँहुक्रे जोखिमपूर्ण अवस्था बावै ।"

चुरेके यी विस्थापित परिवार सरकारसे सुरक्षित घरबास उपलब्ध कराइ कि कना आशामे वर्षौँसे बटै । इहे राज्यके नागरिक रहल ओरसे फेन सरकारसे अभिभावकके भूमिका निर्वाह करे कना ओइनके चाहना रहल बा ।

नाम परिवर्तनको सूचना

प्रथम पटक प्रकासित मिति: २०८२/०९/०७

साबिक खप्तड इन्जिनियरिंग कन्सल्ट एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि., धनगढी, कैलालीलाई यस कम्पनीको मिति २०८२/०८/२२ गते बसेको विशेष साधारण सभाले विशेष प्रस्ताव पारित गरी जय गंगा कन्स्ट्रक्सन एण्ड कन्सल्ट प्रा.लि. अंग्रेजीमा Jay Ganga Construction and Consult Pvt. Ltd. धनगढी-०५, कैलाली परिवर्तन गरिएको र कम्पनी रजिस्टारको कार्यालयले मिति २०८२/०८/२५ को निर्णय बमोजिम स्वीकृत समेत प्रदान गरेकोले साबिकको कम्पनीको नाममा रहेको सम्पति तथा दायित्व परिवर्तन नामको कम्पनीले नै स्वीकार्ने व्यहोर्ने व्यहोराको सूचना सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि प्रकाशित गरिएको छ ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १३ स्थित कित्ता नं. ८० क्षेत्रफल २७१.३२६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री ज्योति साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः शंकर कुँवर | पश्चिमः नारायण तिमिल्सेना

उत्तरः सडक | दक्षिणः हेमराज पाठक

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजा क्षेत्रमे १६ लाख मनै गम्भीर खाद्य संकटके जोखिममे

काठमाडौँ, ७ पुस । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एन्टोनियो गुटेरेससे गाजा क्षेत्रमे करिब १६ लाख मनै गम्भीर खाद्य अभाव ओ कुपोषणके उच्च जोखिममे रहल चेतावनी डेले बटैं ।

उहाँ शुक्रबार सञ्चारकर्मीसँग बाट करटि कलैं, "हालके परिस्थितिमे अकाल कुछ हदसम टालल बा ओ टमान मनै जीवित रहन आवश्यक खाना प्राप्त करना सक्षम हुइल बटैं ।" संयुक्त राष्ट्र ओ ओकर साझेदार संस्थासे दैनिकरूपमे लाखौँ मनैन्हे टाटुल भोजन उपलब्ध करैटि बा ओ सक्कु गाजामे खाद्य सहायता वितरण करल बा ।

महासचिव गुटेरेस कलैं, "स्वच्छ पानी थप समुदायसम पुगे लागल बा, कुछ स्वास्थ्य सेवा केन्द्र पुनः सञ्चालनमे आइल बा ।" उहाँ यी सुधारके श्रेय मानवीय कामदार, सदस्य राष्ट्र ओ नागरिक–सैन्य समन्वय केन्द्रबिचके सहकार्यहे डेलैं । मने उहाँ सावधानीके साथ यी उपलब्धि अभिन नाजुक बा ओ जोखिमपूर्ण अवस्थामे रहल उल्लेख करलैं ।

गुटेरेसके अनुसार अक्टोबरसे संयुक्त राष्ट्रसे सेवा निरन्तर सञ्चालनमे ढरना प्रयास करटि बा, मने आवश्यकताके वृद्धि सहयोगके क्षमतासे हलि हुइल बा । महासचिव दीर्घकालीन युद्धविराम आवश्यक हुइल ओ थप प्रवेश नाका खोल्न, अत्यावश्यक सामग्रीउप्पर लगाइल प्रतिबन्ध हटैना, प्रशासनिक झन्झट कम करना, गाजाभित्रे सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना, दीगो वित्तीय सहयोग सुनिश्चित करना ओ अवरोधरहित मानवीय पहुँच प्रदान करना आवश्यकता औँल्याइल रहे ।

ओस्टेक, उहाँ पश्चिमी किनारामे फेन अवस्था संवेदनशील रहल ओ वहाँ प्यालेस्टिनीसे बह्ल हिंसा, जमिन कब्जा, घर भस्काल ओ कडा आवागमन प्रतिबन्धके सामना करल बटैलैं । उहाँ कब्जामे रहल प्यालेस्टिनी भूभाग, पूर्वी यरूशलेमसहित, अन्तर्राष्ट्रिय कानुन, मानवीय कानुन ओ मानवअधिकार कानुनके पूर्ण पालना हुइ परनामे जोड डेलैं ।

महासचिव गुटेरेससे अन्तर्राष्ट्रिय न्यायालयके सन् २०२५, अक्टोबर २२ के सल्लाहात्मक मतके स्मरण करटि कलैं, "इजरायलसे मानवीय सहायता सहजरूपमे प्रवेश करैना, संयुक्त राष्ट्रसँग सहकार्य करना ओ सशस्त्र द्वन्द्वके अवस्थामे समेत संयुक्त राष्ट्र ओ ओकर कर्मचारीके अधिकार ओ सुरक्षा सम्मान करेपरल । यी दायित्व बाध्यकारी बा ओ तुरुन्त कार्यान्वयन हुइपरठ । यी संकट मानवीय निर्णयसे उत्पन्न हुइल हो, ओ राजनीतिक इच्छाशक्ति हुइलमे यिहिके समाधान सम्भव बा ।"

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

देशभर १० लाख १६ हजार ढेर मतदाता ठप्लै

काठमाडौँ, ७ पुस । देशभर १० लाख १६ हजार ७ सय ५४ जाने मतदाता ठपल बटै । सोम्मार आसन्न प्रतिनिधिसभा निर्वाचनबारे सिंहदरबारमे जारी सर्वपक्षीय छलफलमे निर्वाचन आयोगके सहसचिव एवं प्रवक्ता नारायणप्रसाद भट्टराई यैसिन जानकारी डेहल हुइट ।

उहाँक अनुसार हाल प्रतिनिधिसभा सदस्य निर्वाचन प्रयोजनके लाग निर्वाचन आयोगमे दर्ता हुइल दलहुकनके संख्या ११४ पुगल बा । गैल २०७९ सालके निर्वाचनमे ८७ दलहुक्रे निर्वाचनमे भाग लेहल रहिट । उहाँ दलहुकनके संख्या बह्र्‍ल कारण निर्वाचनमे प्रतिष्पर्धा बह्र्‍ना अनुमान आयोगसे करल जानकारी समेत डेलै । उहाँ निर्वाचनमे प्रयोग कैना ५१ सामग्री आयोगसे पहिचान करल जानकारी समेत डेलै ।

उ सामग्रीमध्ये ३७ ठो सामग्री जिल्लास्तरसे खरिद कैना ओ बाँकी १४ ठो सामग्री केल्ह आयोगसे खरिद करके उपलब्ध करैना करैना करके काम हुइटी रहल जानकारी समेत डेलै । उहाँ पित्तलके स्वस्तिक चिन्ह छाप, स्ट्यम्प प्याड ओ स्ट्याम्प प्याड मसी, कागज, डटपेन, धागा, सुई, पिन, किला, स्टापलर, गम, लाहा, मोमबत्ती, ब्लेड, कार्बन पेपर, कैँची लगायतके सामग्रीके सम्बन्धमे नपुग सामग्री केल्ह खरिद कैना करके आयोगसे प्रक्रिया आघे बह्राइल समेत जानकारी डेलै ।

उहाँ कहलै, मतपेटिका ओ मसीके मौज्दात पर्याप्त रहल ओरसे उ सामग्री खरिद करेपर्ना अवस्था नैहो । पित्तलके स्वस्तिक चिन्ह छाप, स्ट्यम्प प्याड ओ स्ट्याम्प प्याड मसी, कागज, डटपेन, धागा, सुई, पिन, किला, स्टापलर, गम, लाहा, मोमबत्ती, ब्लेड, कार्बन पेपर, कैँची लगायतके सामग्रीके सम्बन्धमे नपुग सामग्री केल्ह खरिद कैना करके आयोगसे प्रक्रिया आघे ड बह्राइल बा ।

निर्वाचनमे प्रयोग हुइना ५१ मेरिक सामग्रीके पहिचान करल बा । जौन हम्रे मतदान केन्द्रमे प्रयोग कैना करठी । उ मध्ये फे ३७ ठो सामग्री जिल्लास्तरसे खरिद करके बाँकी १४ ठो सामग्री केल्ह आयोगसे खरिद करके उपलब्ध करैना करके काम करटी रहल बा ।

उहाँ थप कहलै, 'स्रोतके बचत हुइना मितव्ययी हिसाबसे निर्वाचन सम्पन्न हुई । मतदाता नामावलीके अन्तिम नामावली पुस १५ मे केल्ह तयार हुई । आजके मितिमे हेरेबेर १० लाख १६ हजार ७ सय ५४ जाने मतदाता थपल बटै । उ कहल ५.६५ प्रतिशतसे मतदाताके संख्यामे वृद्धि हुइल बा । निर्वाचनमे भाग लेना राजनीतिक दलके संख्या हेरेबेर ०७९ मे ८७ ठो दलसे निर्वाचन प्रयोजनके लाग दल दर्ता कराइल अवस्था रहे कलेसे अब्बे ११४ ठो दल निर्वाचन प्रयोजनके लाग दर्ता हुइल अवस्था रहल बा । दलके संख्या बह्र्‍ल कारण निर्वाचनमे प्रतिस्पर्धा बह्र्‍ना अनुमान करल बा । हम्रे निर्वाचन पर्यवेक्षणके लाग पहिल चरणके अनुमति डेसेकल बटी ।'

उहाँ मुलुकभर निर्वाचनके वातावरण बनैना सुरक्षा निकाय एवं सरकारसंग आयोगसे निरन्तर छलफल ओ परामर्श करटी रहल समेत जानकारी डेलै ।

हरित ओ डिजिटल रूपान्तरणमे चीनके नयाँ उपलब्धि

काठमाडौं, ७ पुस । चीनके सबसे भारी समुद्री तेल क्षेत्र 'बोहाई तेल क्षेत्र' सन् २०२५ मे चार करोड टन तेल उत्पादन कैके ऐतिहासिक रेकर्ड कायम करल चीन राष्ट्रिय समुद्री तेल निगम जनैले बा ।

उत्पादन ओ क्षेत्रफल दुनुमे अगुवा रहल यी तेल क्षेत्रके रेकर्ड उत्पादनसे राष्ट्रिय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना ओ उच्च गुणस्तरीय आर्थिक तथा सामाजिक विकासमे भारी योगदान पुगैना कम्पनीसे जनाइल बा ।

बोहाई तेल क्षेत्र हाल ६० से ढेर उत्पादनरत तेल ओ ग्यास क्षेत्र सञ्चालनमे ढरल बा ओ यिहिनसे अभिनसम ६० करोड टनसे ढेर कच्चा तेल उत्पादन कैसेकल बा । पाछेक पाँच वर्षमे यकर तेल ओ ग्यास उत्पादन वार्षिक रूपमे पाँच प्रतिशतसे वृद्धि हुइल बा ।

कम्पनीके अनुसार बोहाई तेल क्षेत्रसे अपन डिजिटल ओ हरित रूपान्तरणहे फेन तीव्र बनाइल बा । प्रमुख उपकरणके स्थानीयकरणमे प्रगति हुइल बा, ओम्ने चीनके पहिले घरेलु विकास करल उथलो पानीमे उत्पादन प्रणाली समेत समावेश बा । साथे, बोहाई तेल क्षेत्रके ८० प्रतिशतसे ढेर तेल क्षेत्र स्थल विद्युत स्रोतसँग जोरल बा ।

८ लाख ९० हजारके सामान पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ७ पुस । कैलालीके अलग अलग ठाउँसे ८ लाख ९० हजार ९५० रुप्या बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

धनगढी उ.म.न.पा.७ मनेहरा जंगल स्थित भन्सार चोरी पैठारी करके नेपाल भिटराइल ८ लाख ५० हजार बराबरके ४ ठो मोटरसाइकल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे बेबारिसे अवस्थामे फेला पारके नियन्त्रणमे आवशयक कारवाहीके लाग कैलाली भन्सार कार्यालय त्रिनगर,कैलाली पठाइल बा ।

ओस्टेक करके रु ४० हजार ९५० रुप्या बराबरके ५० बन्डल बिडी, धोती, हल्दी सेट, अण्डर ट्राउजर, चिनी, खुर्सानी लगायतके सामान जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेहल बा ।

दुर्गमके 'लालझाडी' सडक पूर्वाधार विकाससे सुगम बन्टी

कञ्चनपुर, ७ पुस । जिल्लाके दुर्गम क्षेत्रके रूपमे परिचित लालझाडी गाउँपालिका पाछेक बरस सडक पूर्वाधारके विकाससँगे सुगम बन्टी गैल बा । वर्षायाममे हिलासे नेंगघुम करे नैसेक्ना ओ हिउँदमे सुक्खा ढुरसे जनजीवन कष्टकर बनैना यहाँके सडकके नियति आब इतिहासके पानामे सीमित हुइ परल बा ।

पाछेक कुछ बरसमे लालझाडीसे सडक पूर्वाधारमे मारल फड्कोसे स्थानीय बासिन्दाके जीवनस्तर किल नैहोके, समग्र गाउँके आर्थिक ओ सामाजिक मुहारमे परिवर्तन लन्ले बा । लालझाडीके कञ्जके स्थानीय बासिन्दा बलराम राना पुरान दिन सम्झटी कहलै, "वर्षात सुरु हुइटी किल बाहिर जाइ सेक्ना नैरहे, सडकमे गोडासम डुब्ना हिला रहे, कोइ बिरामी परलमे अस्पताल लैजाइक लाग एम्बुलेन्स अइना टे डुरके बात, मनै बोकके लैजैना फेन डगरा नैरहे ।"

हिउँदमे फेन कच्ची सडकमे सवारीसाधन नेंगेघुमे बर ढुरसे सडक किनारके घर ओ खेतीपाती पूरे छोपजाए, जेकर कारण बालबालिका ओ वृद्धवृद्धामे श्वासप्रश्वासके समस्या आमजस्टे रहे । खोलुवामे पुल नैहोके कठ्वक लाउके सहारामे जोखिमपूर्ण यात्रा कैना यहाँके बासिन्दाके बाध्यता रहे ।

मने, गाउँपालिकामे जनप्रतिनिधि आइलपाछे विकाससे गति लेहल स्थानीय रामप्रसाद राना बटैलै । "पहिले लडियामे झोलुङ्गे पुल बनल, उहीसे लाउ नाघ्ना दिनके अन्त्य करल", उहाँ कहलै, "ओकरपाछे दोदा लडियाके बल्मी लग्गे पक्की पुल बनलपाछे आवतजावतमे थप सहजता आइल बा, पहिले ओ आजके लालझाडीके तस्बिर पूरै फेरल बा ।"

स्थानीय महेश्वरी राना अपने घरआघे कालोपत्र सडक डेखेबर चकित हुइल बटी । "हम्रे कबु कल्पनासमेत करल नैरही कि हमार घरआघे अटरा मजा डगरा बनी", उहाँ कहली, "सङ्घीयता ओ स्थानीय सरकार आइलपाछे जनप्रतिनिधि सडकहे प्राथमिकतामे राखके काम करल कारण आज यी सम्भव हुइल हो ।"

अब्बे लालझाडीके मुख्य प्रशासनिक केन्द्रसे भित्री बस्तीसम कालोपत्र सडकके सञ्जाल फैलजैटी बा । ढुर ओ हिलाके सास्ती खेप्ना उ दिन आब सम्झनामे किल बाँकी रहल औरे स्थानीय रामप्यारा चौधरी बटैलै । गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत राजबहादुर सार्कीके अनुसार गाउँपालिकासे योजनाबद्ध रूपमे सडक स्तरोन्नतिके कामहे आघे बह्रैटी आइल बा । हालसम २७.५ किलोमिटर सडक कालोपत्र करसेकल उहाँ जानकारी डेलै ।

गाउँपालिका, सुदूरपश्चिम प्रदेश ओ संघीय सरकारके त्रिपक्षीय सहकार्यमे चानदेव–बल्मी सडक, वडा नं २ के चक्रपथ ओ वडा नं १ के रणनीतिक महत्वके सडक कालोपत्र करल बा । अधिकृत सार्कीके अनुसार गाउँपालिका अध्यक्ष विशेष पूर्वाधार कार्यक्रममार्फत छ वडाके सडक स्तरोन्नति तथा कालोपत्रके कार्य हुइटी रहल बा ।

गाउँपालिकासे थप ३२ किलोमिटर सडक कालोपत्र कैना प्रक्रिया सुरु करले बा । "चालु आर्थिक बरसमे प्रादेशिक तथा स्थानीय सडक सुधार कार्यक्रमअन्तर्गत १३.६ किलोमिटर, एडिबीके पीएलआर कार्यक्रमअन्तर्गत १३.५ किलोमिटर ओ पाँच किलोमिटर चक्रपथ कालोपत्र करटी बाटी", सार्की कहलै । उहाँके अनुसार कञ्चनपुरमे सबसे पहिले नगर अस्पताल निर्माण कैना पालिका फेन लालझाडी नै बनल बा, जौन आब सञ्चालनके तयारीमे रहल बा ।

पूर्वाधार विकासअन्तर्गत दोदा लडियामे नन्द गाउँ–बल्मी ओ लालझाडी–भकुण्डा जोर्ना पक्की पुल सञ्चालनमे आसेकल बावै । ओस्टके जाइँ–देखतभूली ओ देखतभूली–दुबहा सिकलपट्टी जोर्ना पुल निर्माणके अन्तिम चरणमे बावै । यी पुलसे वर्षायाममे ज्यान जोखिममे राखके लडिया नाघे पर्ना अवस्थाके अन्त्य करडेहल बावै ।

सडक ओ पुलके निर्माणसे किसानहे फेन ढेर राहत हुइल बा । सडक बनलपाछे किसान आपन उत्पादन (विशेषगरी गन्ना ओ टिनाटावन) खेट्वासे सिढे चिनी मिल वा बजारसम लैजाइ पाइल बटै, जिहीसे बिचौलियाके चलखेल घटल बा । सडक सुविधा पुगलपाछे एम्बुलेन्स ओ दमकलजैसिन आपत्कालीन सवारीसाधन गाउँके कोन्वा कोन्वासम पुगे लागल बावै । सडक किनारमे नयाँ पसल, बजार ओ उद्योग खुल्ना क्रम बह्र्‍लसँगे स्थानीय युवा गाउँमे स्वरोजगार बने लागल बटै ।

सामाजिक अपराध तथा हिंसा विरुद्ध एकजुट होऔं।

❖कुनै पनि प्रकारका हिंसा, दुर्व्यवहार, विभेद जस्ता सामाजिक अपराधजन्य क्रियाकलाप नगरौं।
❖त्यस्ता कार्य भएको देखेमा स्थानीय प्रशासनमा खबर गरौं।
❖सामाजिक अपराध र हिंसा विरुद्ध एकताबद्ध भएर आवाज उठाऔं।
❖बालबालिका, महिला, ज्येष्ठनागरिक, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू माथि हुने हिंसा विरुद्ध चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरौं।
❖सामाजिक सञ्जाल, सञ्चार माध्यममार्फत फैलन सक्ने झुठा समाचार, बदनियतपूर्ण/द्वेषपूर्ण सामग्री प्रति सजग रहौं।
❖मानवीय मर्यादाको संरक्षण गर्दै छिमेकी र समुदायलाई सहयोग गरौं।
❖विद्यालय, टोल तथा सामुदायिक संस्थामा हिंसारहित व्यवहार गरौं।
❖सामाजिक अपराध रोक्न समुदाय–प्रहरी साझेदारी कार्यक्रम प्रभावकारी बनाऔं।

अपराधमुक्त समाजका लागि कानुनी दायित्व निभाऔं, पिडितलाई न्याय दिलाउन सबैले सहयोग गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९